

द्वयं चूर्णावामन्नं MM. 6.) संसर्गेण MM. 7.) भ्यां यथाय MM. असि - विपरि-
णामः is wanting in A. 8.) दधन्वान् A (the Pada). J in the Padapāṭha,
but दधन्वा यो in the Samhitāpāṭha. See २७. २३. प्रातिशा° ३. ७. ८. 9.) चै-
न्द्रेणोत्तमे नेः तितिसृणां MM. 10.) निशी MM. रक्षितं - तेनैव मन्त्रेण is wan-
ting in A. 11.) स दृष्ट्वा दौहितेन MM. 12.) वायोः होमपवित्रेण MM. 13.)
उत्तर A. उत्तरे दै MM. 14.) व्याघ्रिः A. MM. 15.) अनुपकृत° A. अनुपकृत°
MM. 16.) पानचालनी A. पावनं बालना MM. 17.) यद्विः क्रियते तत्सौ°
MM. 18.) इदमर्थः MM. 19.) पर्युतिः परिवा° A. पर्युत्युपरिवा° MM. 20.) द-
धिनिक्षिप्ते धनभा° MM. दधि क्षिप्ते धनमाग A. 21.) शर्तातृणाभ्यां A (शतातृ-
णाभ्यां?). सशतहिद्राभ्यां MM. 22.) आसिव्यपु बुद्धिः A. 23.) संवृतः कटुकिमेति
A. भवत्यवृतः कटुकिस्तेति MM. 24.) श्रिभ्यामानिनम° A. भ्यामीतम° MM.
25.) विशेषणात् विशेषणवादितिद्धिः MM. The whole passage from कर्मभिः -
शिनेन is wanting in A. 26.) नाशेषासति MM. 27.) मायत्रीवृषं A. गाय°?
28.) उत्तरे च the mss. of Kāty. 29.) is wanting in A. 30.) णडाः । यमेमे
MM. णडाः समेमे A. 31.) पावनानन्तरं A. पाठना°? 32.) उत्ती is wanting.
33.) ?पुनः । स्तधनं A. पुनः । सधनं कुर्वतः MM. 34.) आद्वेः श्रुत्सु A. श्राद्धे-
स्मत्सु MM. 35.) कुतय चासने दधादिति श्रुतेः MM. 36.) श्रुतिमुखाद् MM.
37.) शय्यक्र° A. शय्यक्र° MM. 38.) पत्तं MM. 39.) I do not see this सं in
the text. 40.) रुद्रपर्वतनी MM. 41.) चरुभिः । स्रविः MM. 42.) पेशलानि
गृह्णा पेशलं हि° A. हिरण्यवृष्ययोर्नाम शेषलानि गृह्णाति हिरण्यवद्रू° MM.
43.) सर्वं च MM. सर्वं न A. 44.) मूत्रयाज्ञः 45.) बंधभावं A. 46.) उत्तानि
पेशः श्रुक्रं सितं असितं कृत्वा च नेत्रगतवृषाणि वसाते आह्लादयेत कुर्वते इत्यर्थः
MM. उत्तानि चक्षुनि लोमा° A. 47.) एकोनविंशो MM. —

Adhyāya XX. kaṇḍ. १, २, १०-३३ are explained in the Ṣaṭap. Br. १२, ८, ३, ८-१,
२, १०. — kaṇḍ. १-१० (with the exception of २१, ५३, ५४.) are quoted by Kā-
tyāyana ११, १, १२-७, १. —

1.) प्रष्ट देशो A. 2.) त्रयेति A. MM. 3.) साना देवत्या A. 4.) देशगम°